हिमाचल प्रदेश में दालों का उत्पादन

वी.के. सूद*, संजय कुमार सनाढ्य* और **आर.के. मित्तल***

दालों का अपने आप में एक बहुत प्राचीन इतिहास है। ये लगभग 10 हजार वर्षों से मानव और पशु पोषण की बड़ी स्रोत हैं। वर्ष 2010 में वैश्विक दलहन उत्पादन की दर को दोगुना कर 70 मिलियन टन कर दिया गया था। 10 फरवरी 2019 को पहला विश्व दलहन दिवस मनाया गया था। सबसे बड़े दलहन उत्पादक देश भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, अमेरिका, ब्राजील, पाकिस्तान, रूस, तुर्की, इथोपिया, फ्रांस, अर्जेंटीना, म्यांमार और नाइजीरिया 'विश्व दलहन दिवस' को बहुत गर्मजोशी के साथ मनाते हैं।

दालें प्रोटीन, आहार रेशे और खनिजों की समृद्ध स्रोत हैं, जिनसे हमारे शरीर की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। ये मृदा में नाइट्रोजन की कमी को पूरा करके उर्वरता में वृद्धि करती हैं। दलहनी फसलें मनुष्य के भोजन का अभिन्न अंग हैं। दलहनों में प्राय: 17-24 प्रतिशत तक प्रोटीन की मात्रा होती है, जो कि अन्न की फसलों से 2-3 गुना अधिक है। ये हमारी कृषि पद्धति में प्रमुख स्थान रखती हैं। इनकी खेती में थोड़ी सी लागत आती है। यह उन क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं, जहां पर नमी की कमी होती है। हिमाचल प्रदेश आर्थिक, आनुवंशिक, सांस्कृतिक और सौंदर्य मूल्यों वाली समृद्ध वनस्पतियों और जीवों से संपन्न है। इस राज्य में विविध किस्मों के साथ विविध फसल पौधों की प्रजातियों को उगाने की व्यापक संभावनाएं हैं। लाल चावल, मक्का, जौ, कुल्थी, माश, राजमा की फसलें ऐसी हैं, जो प्रदेश की कृषि-जलवायु परिस्थितियों के लिए उपयुक्त हैं। खरीफ दलहनों में माश, कुल्थी और राजमा प्रमुख फसलें हैं, जबकि अरहर और मूंग को भी कुछ क्षेत्रों में उगाया जाता है। इनकी प्रति इकाई उपज काफी कम है, जिसके प्रमुख कारण अधिक उपज देने वाली विभिन्न दलहनी फसलों की विभिन्न क्षेत्रों के लिए किस्मों की कमी, कीटों व रोगों का अधिक प्रकोप तथा फसलों की अच्छी खेती के प्रबंधन पर कम ध्यान देना आदि हैं।

अनुशंसित फसल प्रणाली

- धान-चना/मसूर/मटर
- मक्का-चना/मटर
- रागी-चना/मसूर/मटर
- अरहर-गेहूं

अनुशंसित अंतरफसल प्रणाली

- **खरीफ ऋतु:** मक्का+उड़द/मूंग

सारणी 1. वर्ष 2019-20 में दलहनी फसलों का क्षेत्रफल, उपज एवं उत्पादकता

		क्षेत्रफल (मिलियन हैक्टर)	उपज (मिलियन टन)	उत्पादकता (कि.ग्रा. प्रति हैक्टर)
विश्व	कुल	95.70	92.28	964
भारत	खरीफ	13.54	7.92	585
	रबी	14.45	15.10	1045
	कुल	27.99	23.02	823
हिमाचल प्रदेश	खरीफ	0.02	0.01	809
	रबी	0.01	0.04	3381
	कुल	0.03	0.05	1943

त्रिलोकी राजमा

*आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सी. एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर-176062 (हिमाचल प्रदेश)